देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR

www.jawabdosarkar.com

(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

वॉल्यूम न.– 2022/kdgl/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | मंगलवार, 4 जनवरी 2022

क्या जयपुर की एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक का भविष्य सुरक्षित है?

विशेष रिपोर्ट-1

आखिर क्यूँ पिछले छह महीनो मे इसके प्रबंधन मे मच रहा भूचाल?

क्या बैंक अपना वास्तविक एनपीए छुपा रहा है?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

पिछले 6 महीनों से दबाव मे एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक|

जयपुर आधारित एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक के नाम से मशहूर शिड्युल्ड स्माल फ़ाइनेंस बैंक मे पिछले छ महीनों से कुछ ठीक नहीं चल रहा है,जिसके चलते पिछले साल सितंबर माह मे बैंक का शेयर तेजी के बीच गिरावट का शिकार हुआ|इस दिन बैंक का शेयर 1130.75 रुपए पर बंद हुआ,जो बीएसई पर पूर्ववर्ती बंद भाव से 12.62 प्रतिशत की गिरावट थी|इसी बीच सीएनबीसी टीवी 18 ने खबर दी कि बैंक के अन्य वरिष्ठ स्तर के अधिकारी ने इस्तीफा दे दिया है|एक्सचेंज को भेजी जानकारी मे बैंक ने सूचित किया कि मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) और की मेनेजमेंट पर्सनल(केएमपी)के तौर पर कार्य कर रहे दीपक जैन

को तीन साल के लिए(1 सितंबर से प्रभावी)बैंक का मुख्य जोखिम अधिकारी(सीआरओ) नियुक्त किया गया है|

बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल मे इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों ने व्यक्तिगत कारणों से ऐसा किया है|अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि इस्तीफा देने वाले कर्मचारी मुंबई से आए थे और इसलिए उन्हे जयपुर की आबोहवा मे कार्य करने मे दिक्कत हो रही थी,जिसके कारण यह इस्तीफे दिये गए|उन्होने बताया कि बैंक विकास के दौर से गुजर रहा है और उसने बैंक के वरिष्ठ पदो पर 100 से ज्यादा नए लोगो को रखा है|

वर्ष 2020-21 के लिए अपनी सालाना रिपोर्ट मे एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि इस साल इंटरनल ऑडिट प्रमुख के पद पर अदला बदली के घटनाक्रम से काफी सबक मिला है और बैंक अनिश्चितताएं दूर करने की दिशा मे काम कर रहा है|उन्होने यह भी बताया कि बैंक द्वारा सभी नियमों का पालन किया जा रहा है लेकिन बेहतर संवाद की कमी के चलते ऐसे हालात हो रहे है|

लघु वित्त बैंक क्षेत्र मे आ रही ऊंची गिरावट

लघु वित्त बैंक क्षेत्र मे ऊंची गिरावट का यह दूसरा उदाहरण है|पिछले साल ही सितंबर माह मे उज्जीवन स्माल फ़ाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक एवम मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन चुघ ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और उसके बाद बैंक का शेयर भारी गिरावट का शिकार हुआ था|सूत्रों के अनुसार उज्जीवन स्माल फ़ाइनेंस बैंक मे बैंक असेट क्वालिटी मे आ रही दिक्कतों के चलते श्री चुघ ने इस्तीफा दिया था क्यूंकि पिछली दो तिमाहियों मे सकल एनपीए मे भारी तेजी दर्ज की गयी थी

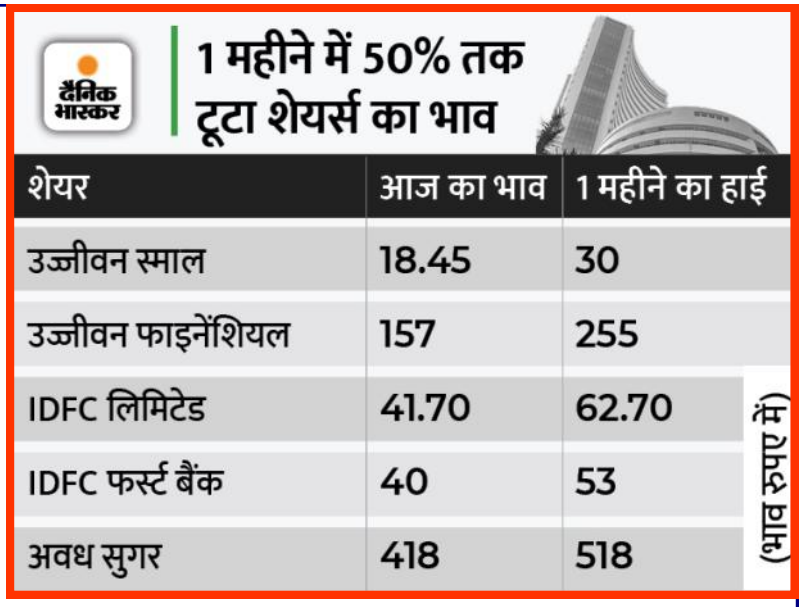

शेयर	आज का भाव	1 महीने का हाई
उज्जीवन स्माल	18.45	30
उज्जीवन फाइनेंशियल	157	255
IDFC लिमिटेड	41.70	62.70
IDFC फर्स्ट बैंक	40	53
अवध सुगर	418	518

निवेशको मे डर

बैंक के उच्च प्रबंधन मे हो रहे नित नए बदलावों ने निवेशकों को डरा दिया है,जानकारो के अनुसार श्री आलोक गुप्ता द्वारा जुलाई महीने मध्य मे ही चीफ रिस्क ऑफिसर पद से अपना इस्तीफा दे दिया था लेकिन बड़े कारणों से उनके इस्तीफे की बात को बैंक द्वारा छुपाया गया|

इन इस्तीफ़ों से आम निवेशक के मन मे लगातार यह सवाल खड़े हो रहे है कि बैंक के आला अधिकारी क्यूँ लगातार बैंक से अपनी जान छुड़ा रहे है?क्या आला अधिकारियों के लगातार इस्तीफे, जहाज डूबने से पहले चूहे कूदने वाले मुहावरे को तो चरितार्थ नहीं कर रहे है?कहीं एयू बैंक का हश्र भी आदर्श कोपरेटिव बैंक जैसा तो नहीं हो जाएगा?क्या उनका निवेश एयू बैंक मे सुरक्षित है?ज्ञात हो कि पिछले छह महीनों मे करीब आधा दर्जन आला अधिकारियों ने अपने पदो से इस्तीफा दिया है जिससे निवेशकों के भय उत्पन्न हो रहा है|

माह	घटनाक्रम
मार्च 2021	श्री नितिन गुप्ता का चीफ ऑडिट ऑफिसर पद से इस्तीफा
मार्च 2021	श्री मयंक मार्कन्डेय ने चीफ रिस्क ऑफिसर इस्तीफा दे दिया,उन्होने अपना पोर्टफोलियो बदल कर रिस्क से बिज़नेस कर लिया|
अप्रेल 2021	श्री आलोक गुप्ता ने चीफ रिस्क ऑफिसर के पद पर जॉइन किया|
अगस्त 2021	श्री आलोक गुप्ता ने चीफ रिस्क ऑफिसर के पद से व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया|
अगस्त 2021	श्री सुमित धीर ने हेड ऑफ इंटरनल ऑडिट पद से इस्तीफा दिया|
सितंबर 2021	श्री दीपक जैन ने तीन साल के लिए चीफ रिस्क ऑफिसर के पद पर जॉइन किया|

क्या बैंक अपना वास्तविक एनपीए छुपा रहा है?

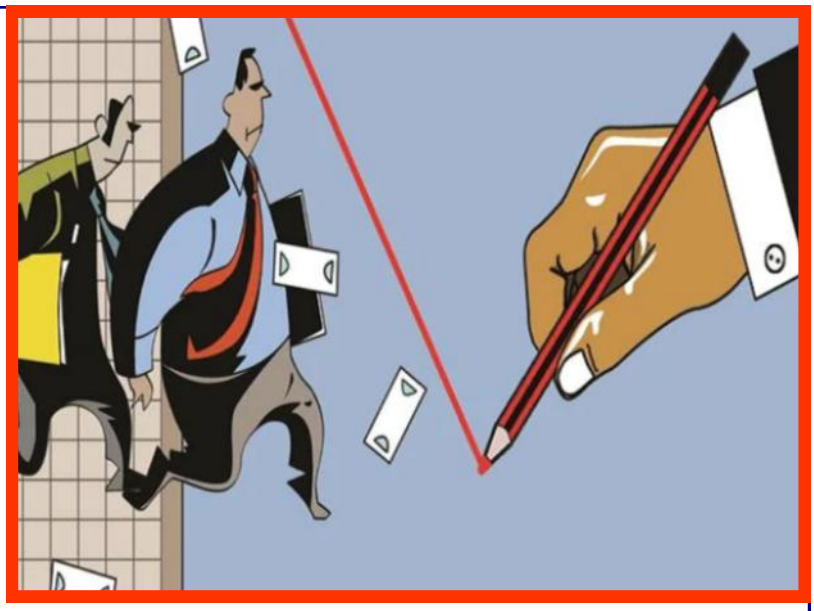

सूत्रों के अनुसार एयू बैंक दोयम दर्जे के उपभोक्ताओं को अपने वित्तीय उत्पाद बेचता है,जिसकी एवज मे मोटी ब्याज की रकम वसूली जाती है|पिछले दो सालों से कोरोना की मार के चलते इन उपभोक्ताओं के लिए बैंक की ईएमआई भरना मुश्किल हो गया है|नीचले स्तर पर वित्तीय उत्पाद बेचने वाले बैंक कर्मचारियों द्वारा नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि बैंक का एनपीए लगातार बढ़ता जा रहा है और ऐसे ग्राहको से वसूली के लिए बैंक का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है जिसके चलते नीचले स्तर के कर्मचारी भी इतना दबाव झेल नहीं पा रहे है और अपनी नौकरियों से इस्तीफा दे रहे है|बैंक के उच्च स्तर के एक अधिकारी द्वारा यह भी बताया कि बैंक द्वारा आरबीआई के नियमों के विरुद्ध जाकर अपना वास्तविक एनपीए छुपाया जा रहा है|यदि इसकी सही मायनों मे ऑडिट की जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो सकता है|बहरहाल वर्ष 2022 की पहली तिमाही मे एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक का शुद्ध लाभ सालाना 203 करोड़ रुपए रहा है|साथ ही बैंक ने अपनी बेलेन्स शीट मजबूत करने के लिए तिमाही के दौरान 120 करोड़ रुपए का आकस्मिक प्रावधान किए है|लेकिन इन आंकड़ो के पीछे की कहानी कुछ और ही हकीकत बयान करती है|

जवाब मांगते सवाल?

1. क्या एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक के शेयरों मे निवेश करने वाले निवेशकों का भविष्य सुरक्षित है?
2. पिछले छह महीनों मे बैंक के उच्च प्रबंधन मे आ रहे भूचाल की असली वजह क्या है?
3. क्या यह सही है कि बैंक द्वारा अपना वास्तविक एनपीए छुपाया जा रहा है?
4. क्या आरबीआई द्वारा एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक के एनपीए की विशेष ऑडिट करवायी जाएगी?
5. आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर श्री हारून राशिद खान को एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक के बोर्ड मे तीन साल के लिए गैर कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक बनाने की असली वजह क्या है?
6. कहीं एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक का भविष्य मे हश्र कहीं आदर्श कोपरेटिव जैसा तो नहीं होगा?

आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर एयू बैंक के स्वतंत्र निदेशक नियुक्त

जयपुर | भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर हारुन राशिद खान को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के बोर्ड में तीन साल के लिए गैर कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। बैंक के एमडी संजय अग्रवाल ने कहा कि हम ग्रोथ की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। ऐसे में खान के अनुभव से बैंक को फायदा होगा। इनकी नियुक्ति बोर्ड को मजबूत करने की योजना का हिस्सा है। बोर्ड के अध्यक्ष राज विकास वर्मा ने कहा कि खान के बोर्ड में शामिल होने से बैंक के गवर्नेंस इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी। इनको चार दशक का अनुभव है।

एयू स्माल फ़ाइनेंस बैंक से जुड़े अन्य मामलों का खुलासा अगले अंकों मे जारी.....